15.1.67रात्रीक्लास–बाबा का खयाल हो रहा था कि हमारी पाण्डव गवर्मेंट की भी स्टैम्प क्यों नहीं होनी चाहिए।अब तो शिवजयंती भी आ रही है।हमारे लेटर हेड पर जो कोर्ट ऑफ आर्म्स (त्रिमूर्ति) है ऐसी स्टैम्प्स बनाकर सब पर लगा देवें।ओपीनियन की किताब बनेगी।उसके उपर भी हमारा स्टैम्प लगा रहे।नीचे में सारे अक्षर हों–ब्राह्मण द्वारा सतयुग सृष्टि की स्थापना ,शंकर द्वारा इसका विनाश और विष्णु द्वारा दैवी सृष्टि की पालना।जास्ती अक्षर नहीं।स्टैम्प लगा देंगे फिर वो लोग क्या कर सकते हैं?जैसे आगे कहा था यूनिवर्सिटी अक्षर मत लिखो।तो हमने भी निकाल दिया था।अब तो हम एडवर्टाइज़मेंट जोर से करते हैं।त्रिमूर्ति शिवजयंती ही मनानी चाहिए।सिर्फ निराकार शिव की जयंती तो सिद्ध नहीं होगी कि जब तक ब्रह्मा, विष्णु, शंकर नहीं बनेंगे।त्रिमूर्ति तो सब ही चित्रों में लगा हुआ है।कहते भी रहते हैं शिव परमपिता परमात्मा ब्रह्मा शरीर द्वारा प्रवेश हो सतयुगी राजाई सृष्टि स्थापना करवा रहे हैं।तो उनकी स्टैम्प बनानी चाहिए।जो अच्छा काम करके जाते हैं उनकी स्टैम्प बनाते हैं।यह तो बिल्कुल ही नामीग्रामी है जो कल्प2 भारत को हेवन बनाते हैं।देहली में प्रदर्शनी कमेटी राय कर रही है कि कैसे मनावें।इस त्रिमूर्ति (से) समझानी तो बड़ी अच्छी है।प्रदर्शनी के चित्र भी जास्ती बने हुये हों तो जो मुख्य सैंटर्स वाले हैं वो अपनी2 प्रदर्शनी कर सकें।फिर जिनके पास जितने भी हैंड्स तैयार होंगे वो आप ही आपस में सर्विस करेंगे।पता पड़ जावेगा समझाने वाले ब्राह्मण बने हैं कि नहीं।जिनको सर्विस का शौक होगा वो कोई ना कोई राय जरूर निकालेंगे।नहीं तो बापदादा समझेंगे कि सब टट्टू बच्चे हैं।बॉम्बे में भी कहीं प्रोजेक्टर शो , कहीं प्रदर्शनी होनी चाहिए।विनाशकाले विपरीत बुद्धि वाला चित्र भी तुम्हारे पास है।समझानी तो बड़ी अच्छी है।सिद्ध हो जावेगा शिवबाबा प्रजापिता ब्रह्मा कुमार कुमारियों द्वारा कल्प2 भारत पर दैवी स्वराज्य स्थापन करते हैं।सर्विसेबुल बच्चे बहुत युक्तियां निकालते रहेंगे वा चित्र बनाते रहेंगे।भगवानोवाच्य यह राजयोग और होली और दैवी स्वराज्य आपका जन्मसिद्ध अधिकार है।यह भी लिखना चाहिए।शिव का 30वां बर्थ डे है।अब देखें कोई अच्छी2 राय निकालते हैं।अंदरूनी प्यार और बाहर का प्यार परलौकिक बाप भी जानते हैं, लौकिक बाप भी जानते हैं।बाप के बच्चे तो सब हैं ;परंतु उनमें से भी कोई काम के हैं, कोई निकामें हैं।जो काम करने वाले होंगे वो ही उंचा पद पावेंगे।निक्कमें भरी ढोवेंगे।आगरा वाला महेंद्र बच्चा अच्छा काम रहे हैं।अच्छी मेहनत कर रहे हैं, की है।जैसे जबलपुर वाला ओमप्रकाश इसने भी अच्छी ही मेहनत की है।दोनों गोप हैं, सेंटर्स सम्भालते हैं।प्रदर्शनी भी करते हैं।ऐसा कोई गोप दूसरा है नहीं।यह हैं भी नये।पुराने तो सोये हुये हैं।बहुत कुमारियां भी अच्छी ही सर्विस करती हैं।काश्मीर में मीता माता ने भी अच्छी ही मेहनत की है।देहली ,साउथ एक्सटेंशन पर रहने वाली बच्ची भी अच्छी है।मोहनी अच्छी पढ़ी–लिखी है, सर्विसेबुल है।अम्बेसडर इसको बनाने का विचार हो रहा है।यह सब तरफ जाकर सर्विस कर रेख–देख करें।यह कोई भी आफीसर्स पास जावे तो बहुत काम निकाल सकती है।ऐसी खड़ी और कोई हमारे पास है नहीं।लक्ष्मी बच्ची भी अच्छी है।बहुत अच्छा काम कर रही है।अच्छा, गुडनाइट।